DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

13 जनवरी 2023

भारत-संयुक्त राज्य व्यापार नीति फोरम (TPF)

सन्दर्भ

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने भारत-यू.एस. व्यापार नीति फोरम की 13वीं मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए वाशिंगटन डीसी का दौरा किया।

भारत-अमेरिका व्यापार नीति फोरम:-

- TPF व्यापार के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच निरंतर जुड़ाव और द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को आगे बढ़ाने का एक मंच है।
- 12वीं टीपीएफ मंत्रिस्तरीय बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई।
- 2022 में कोई टीपीएफ वार्ता आयोजित नहीं की गई है।
- 13वें भारत-यूएसए टीपीएफ 2023 की मुख्य विशेषताएं
- मंत्रियों ने इस बात की सराहना की है कि वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार तेजी से बढ़ता रहा और 2021 में लगभग 160 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।
- भारत ने अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) द्वारा निरीक्षणों की बहाली की सराहना की।
- भारत ने अमेरिकी पक्ष से जल्द से जल्द नई सुविधाओं और गैर-प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का निरीक्षण करने हेतु कहा।
- मंत्रियों ने टर्टल एक्सक्लूडर डिवाइस (TED) डिज़ाइन अंतिम रूप दिए जाने का स्वागत किया।
- यह सुनिश्चित करेगा कि टीईडी समुद्री कछुओं की आबादी मत्स्ययन के प्रभाव को करेगा।
- भारत ने यू.एस. सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली कार्यक्रम के तहत अपनी लाभार्थी स्थिति की बहाली में अपनी रुचि पर प्रकाश डाला है।
- युनाइटेड स्टेट्स ने नोट किया कि यू.एस. कांग्रेस द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंडों के संबंध में, जैसा कि आवश्यक है, इस पर विचार किया जा सकता है।
- मंत्रियों ने सामाजिक सुरक्षा समग्र समझौते पर चल रही चर्चाओं को स्वीकार किया और इस मामले में शीघ्र परिणाम प्राप्त करने के लिए कार्य को तेज करने का समर्थन किया।
- मंत्रियों ने द्विपक्षीय संवाद को गहरा करने के लिए "लचीले व्यापार तंत्र " पर एक नया कार्य समूह शुरू किया।
- राजदूत ताई ने भारत की G20 अध्यक्षता का स्वागत किया और कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका व्यापार और निवेश कार्य समूह में एक साथ काम करने के लिए उत्सुक है।

जीवंत लोकतंत्र:-

- भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों स्वाभाविक भागीदार हैं। ये व्यापारिक सम्पूरक हैं तथा दोनों देशो में लंबे समय से रणनीतिक और आर्थिक संबंध तथा पीपल टू पीपल कॉन्टैक्ट स्थापित है।
- दोनों देश QUAD, I2U2 (भारत-इज़राइल/UAE-USA) और IPEF (इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क) के तहत भी सहयोग कर रहे हैं।
- नेतृत्व-स्तर पर नियमित तथा विस्तारित आदान-प्रदान द्विपक्षीय संबंधों का एक अभिन्न अंग रहा है।
- इन यात्राओं के परिणाम दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों को और मजबूत करने में सहायक रहे हैं।

भारतीय संविधान की मूल संरचना

प्रसंग

हाल ही में, भारत के उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम से सम्बंधित संवैधानिक संशोधन को रद्द करने के लिए बुनियादी ढांचे के सिद्धांत का उपयोग करने पर सर्वोच्च न्यायालय की आलोचना की।

प्रमुख बिंदु :-

- बुनियादी ढांचे का सिद्धांत न्यायिक समीक्षा का एक रूप है। इसका प्रयोग न्यायालयों द्वारा किसी भी कानून की वैधता का परीक्षण करने के लिए किया जाता है।
- ध्यातव्य है कि केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य 1973 के ऐतिहासिक फैसले में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा यह सिद्धांत स्थापित किया गया है।

यदयपि इस सिद्धांत को विशेष रूप से परिभाषित नहीं किया गया है परन्तु विभिन्न न्यायालयी निर्णयों द्वारा निम्नवत को मूल संरचना के रूप में व्याख्यायित किया गया है-

- संविधान की सर्वोच्चता।
- सरकार का गणतांत्रिक और लोकतांत्रिक स्वरूप।
- संविधान का धर्मनिरपेक्ष चरित्र।
- विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का

- 13 सदस्यीय संविधान पीठ ने यह निर्णय दिया है कि संविधान का 'मूल ढांचा' अनुल्लंघनीय है, तथा इसे संसद द्वारा संशोधित नहीं किया जा सकता है।
- यदि कोई कानून "संविधान की मूलभूत विशेषताओं" को नष्ट करता हुआ पाया जाता है, तो न्यायालय उसे असंवैधानिक घोषित करता है।

महत्व

- यह परीक्षण संवैधानिक संशोधनों पर लागू किया जाता है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि संशोधन द्वारा संविधान के मूल सिद्धांत प्रभावित न हों।
- इस परीक्षण को व्यापक रूप से संसद के बहुसंख्यकवादी आवेगों पर एक जाँच के रूप में माना जाता है क्योंकि यह संविधान में संशोधन करने की शक्ति पर पर्याप्त प्रतिबन्ध आरोपित करता है।
- यह विधायिका की मनमानी और अधिनायकवाद के खिलाफ नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है।
- यह लोकतंत्र के कारण को मजबूत करता है और हमारे संस्थापकों के दृष्टिकोण की पवित्रता को बनाए रखता है।

पृथक्करण।

- संविधान का संघीय चरित्र।
- राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में निहित एक कल्याणकारी राज्य के निर्माण का जनादेश।
- राष्ट्र की एकता और अखंडता।
- कानून का शासन।
- भारतीय राजनीति की संप्रभुता, स्वतंत्रता और गणतंत्र प्रकृति।
- न्यायिक समीक्षा।
- मौलिक अधिकारों और निर्देशक सिद्धांतों के बीच सामंजस्य और संतुलन।
- ओ संसदीय प्रणाली।
- समानता का नियम।
- स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव।
- अनुच्छेद 32,136,142,147 के तहत उच्चतम न्यायालयों की शक्तियां।
- अनुच्छेद 226 और 227 के तहत उच्च न्यायालय की शक्ति।
- संविधान में संशोधन करने की संसद की सीमित शक्ति।
- व्यक्ति की स्वतंत्रता और गरिमा।

पॉलीइथाइलीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी) प्लास्टिक अपशिष्ट और ग्रीनहाउस गैसों को सतत ईंधन में परिवर्तित करने वाली प्रणाली

प्रसंग

हाल ही में, कैम्ब्रिज के शोधकर्ताओं ने PET प्लास्टिक की बोतलों और कार्बन डाइऑक्साइड को सिनगैस या फॉर्मेट जैसे सतत ईंधन में परिवर्तित का तरीका खोजा है।

प्रमुख बिंदु :-

· कार्बन डाइऑक्साइड और प्लास्टिक जैसी ग्रीनहाउस गैसों का मूल्य वर्धित उत्पादों तथा सतत ऊर्जा में रूपांतरण चक्रीय अर्थव्यवस्था के संक्रमण में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

प्रणाली के विषय में :-

- शोधकर्ताओं ने दो अलग-अलग डिब्बों (एक प्लास्टिक के लिए और दूसरा ग्रीनहाउस गैसों के लिए) के साथ एक एकीकृत रिएक्टर विकसित किया है।
- यह रिएक्टर पर्कोव्साइट पर आधारित एक प्रकाश अवशोषक का उपयोग करता है। यह अगली पीढ़ी के सौर सेल के लिए सिलिकॉन का एक आशाजनक विकल्प बन सकता है।
- टीम ने विभिन्न उत्प्रेरकों को डिजाइन किया, जिन्हें प्रकाश अवशोषक में एकीकृत किया गया था।
- उत्प्रेरक को बदलकर, शोधकर्ता तब अंतिम उत्पाद को बदल सकते थे।
- रिएक्टर ने इन उत्पादों का उत्पादन पारंपरिक फोटोकैटलिटिक CO2 कटौती प्रक्रियाओं की तुलना में अत्यंत अधिक दर पर किया है।
- पॉलीथीन टेरेफ्थेलेट (पीईटी)।
- पॉलीइथाइलीन टेरेफ्थेलेट (PET) पॉलिएस्टर का एक रूप है जिसका उपयोग भोजन, पेय पदार्थों और सौंदर्य प्रसाधनों के लिए प्लास्टिक की बोतलों और कंटेनरों के उत्पादन में किया जाता है।
- इसे 1973 में रसायनज्ञ नथानिएल वायथ द्वारा संशोधित एथिलीन ग्लाइकॉल और शुद्ध टेरेफ्थलिक एसिड के संयोजन द्वारा पेटेंट कराया गया था।
- यह अपने उत्पादन में आसानी, पारदर्शिता, हल्केपन तथा पुनर्चक्रण के लिए निर्माताओं के बीच लोकप्रिय है ।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

13 जनवरी 2023

संक्षिप्त सुर्खियां

बासमती चावल के लिए मानक

सन्दर्भ :-

भारत में पहली बार, FSSAI ने बासमती चावल के लिए व्यापक नियामक मानकों को अधिसूचित किया है।

मुख्य विशेषताएं:

- FSSAI ने ब्राउन बासमती चावल, मिल्ड बासमती चावल, उसना भूरा बासमती चावल और मिल्ड उसना बासमती चावल सहित बासमती चावल के लिए पहचान मानकों को निर्दिष्ट किया है।
- इन मानकों के अनुसार, बासमती चावल में बासमती चावल की प्राकृतिक सुगंध विशेषता होनी चाहिए और यह कृत्रिम रंग, पॉलिशिंग एजेंटों और कृत्रिम सुगंधों से मुक्त होना चाहिए।
- ये मानक बासमती चावल के लिए विभिन्न पहचान और गुणवत्ता मानकों को भी निर्दिष्ट करते हैं जैसे अनाज का औसत आकार और पकाने के बाद उनका लम्बाई अनुपात; नमी की अधिकतम सीमा, एमाइलोज की मात्रा, यूरिक एसिड, दोषपूर्ण/क्षतिग्रस्त अनाज और अन्य गैर-बासमती चावल आदि की आकस्मिक उपस्थिति नहो होनी चाहिए
- ये मानक 1 अगस्त, 2023 से लागू होंगे।

व्हाइट टफ्टेड रॉयल बटरफ्लाई

प्रसंग

हाल ही में, तितली पर्यवेक्षकों और शोधकर्ताओं की एक टीम ने कन्नूर के कलियाद में एक दुर्लभ तितली प्रजाति व्हाइट टफ्टेड रॉयल बटरफ्लाई पाई गई है।

मुख्य विशेषताएं:

- इस प्रजाति को पहले 2017 में अगस्त्यकूडम और 2018 में शेंदुरनी वन्यजीव अभयारण्य में देखा गया था।
- इस तितली के पंखों का फैलाव मात्र 32-40 मिमी है।
- इसका लार्वा स्कुरुला पैरासाइटिका को खाता है, जो लोरेंथेसी परिवार का एक पौधा है।
- तितली की आठ प्रजातियाँ थीं। जबकि दो सामान्य हैं, अन्य दुर्लभ हैं।
- कलियाड में चल रही अनियमित लेटराइट और ग्रेनाइट की खदानें ऐसी दुर्लभ प्रजातियों के अस्तित्व को प्रभावित कर रही हैं।

संरक्षण की स्थिति

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 - अनुसूची 2।

स्वामी विवेकानंद

सन्दर्भ :-

प्रधानमंत्री ने स्वामी विवेकानंद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

स्वामी विवेकानंद के बारे में:

- विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को कलकत्ता के पास हुआ था। इनका मूल नाम नरेंद्रनाथ दत्त था।
- इन्होने एक पश्चिमी शैली के विश्वविद्यालय शिक्षा ग्रहण की। जहाँ वे पश्चिमी दर्शन, ईसाई धर्म और विज्ञान के संपर्क में आए।
- कालांतर में सामाजिक सुधार विवेकानंद के विचारों का एक प्रमुख तत्व बन गया और वे ब्रह्म समाज में शामिल हो गए।
- ये स्वामी रामकृष्ण के सबसे प्रमुख शिष्य बन गए।
- वे संयुक्त राज्य अमेरिका और इंग्लैंड में वेदांत दर्शन को बढ़ावा देने के आंदोलन में एक सक्रिय रहे।

- 1893 में, वे शिकागो में विश्व धर्म संसद में उपस्थित हुए जहां एक समाचार पत्र ने उन्हें "ईश्वरीय अधिकार द्वारा एक वक्ता और निस्संदेह संसद में सबसे बड़ी हस्ती" के रूप में वर्णित किया।
- विवेकानंद ने बेलूर मठ के मठ में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।
- उन्होंने वेदांतिक धर्म के उच्चतम आदर्शों को 20वीं सदी के लिए अनुकूलित और प्रासंगिक बनाया।

भारतीय स्किमर्स

प्रसंग

एशियाई वाटरबर्ड जनगणना-2023 के दौरान एक दिन में लगभग 250 भारतीय स्किमर्स कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य में देखे गए।

मुख्य विशेषताएं:

इंडियन स्किमर या इंडियन सिजर्स-बिल (रिनचॉप्स अल्बिकोलिस) उन तीन प्रजातियों में से एक है जो लारिडे परिवार में स्किमर जीनस रेनचॉप्स से संबंधित हैं।

विशेषताएं

वे काले, सफेद और नारंगी रंग में बहुत उज्ज्वल रूप से चिह्नित हैं, जिससे उन्हें याद करना मुश्किल हो जाता है।

वितरण तथा आवास

- यह बड़ी नदियों और झीलों, दलदलों और तटीय आर्द्रभूमि जैसे मुहाने पर पाया जाता है।
- यह ताजे पानी विशेष रूप से प्रजनन के मौसम के दौरान , में सबसे सामान्य रूप में पाए जाते हैं।
- भारत में, इस प्रजाति को मध्य भारत में चंबल नदी के पास, ओडिशा के कुछ हिस्सों और आंध्र प्रदेश में देखा जा सकता है।

संरक्षण की स्थिति

- IUCN रेड लिस्ट- लुप्तप्राय।
- 2020 में, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (BNHS) ने 'गार्जियन ऑफ़ द स्किमर' कार्यक्रम शुरू किया है, जो एक समुदाय-आधारित संरक्षण पहल है।

नई डस्ट कंट्रोल प्रौद्योगिकी

प्रसंग

हाल ही में सीएमपीडीआईएल ने नई डस्ट कंट्रोल प्रौद्योगिकी विकसित की है।

मुख्य विशेषताएं:

- खनन क्षेत्रों में उड़ने वाली धूल को कम करने और नियंत्रित करने के लिए, सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिज़ाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (CMPDIL), रांची ने "फ्यूजिटिव डस्ट के उत्पादन और संचलन को नियंत्रित करने के लिए एक प्रणाली और विधि" का विकास किया है।
- इसके लिए इन्हे दिसंबर, 2022 में पेटेंट प्राप्त कर लिया है।
- इस प्रणाली का उपयोग खानों, ताप विद्युत संयंत्रों, रेलवे साइडिंगों, और बंदरगाहों, निर्माण स्थलों (जहां खुले आसमान के नीचे कोयले या अस्थायी सामग्री का भंडारण किया जाता है)में किया जा सकता है,
- खुले स्रोतों से उत्पन्न होने वाली धूल को कम करने के अलावा, यह ध्वनि क्षीणन भी प्रदान करेगा।
- फ्युजिटिव डस्ट पार्टिकुलेट मैटर का एक रूप है जो वायु प्रदूषण में योगदान देता है जो विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न होता है जो हवा के संपर्क में आते हैं और एक सीमित प्रवाह धारा के माध्यम से वातावरण में नहीं छोड़े जाते हैं।
- · वर्तमान आविष्कार विंडब्रेक (WB) और उड़ने वाली धूल के उत्पादन और फैलाव को कम करने के लिए वर्टिकल ग्रीनरी सिस्टम (वीजीएस)के सिंक्रोनाइज्ड एप्लिकेशन से संबंधित है।

पाइनएप्पल एक्सप्रेस

प्रसंग

पिछले दो हफ्तों में, कैलिफोर्निया और वेस्ट कोस्ट के अन्य हिस्सों में मौसम विज्ञानी वायुमंडलीय नदियों की एक श्रृंखला से प्रभावित हुए हैं। पूर्वानुमानकर्ताओं ने कहा कि कैलिफ़ोर्निया में आने वाली बारिश "ट्रू पाइनएप्पल एक्सप्रेस" के कारण हो रही है।

मुख्य विशेषताएं:

- ट्रू पाइनएप्पल एक्सप्रेस एक सामान्य वायुमंडलीय घटना का एक विशिष्ट उदाहरण है जो नमी के एक कन्वेयर बेल्ट जैसा दिखता है।
- यह वायुमंडल में लंबा, संकरा क्षेत्र है जो अधिकांश जल वाष्प को उष्ण कटिबंध के बाहर ले जाता है।
- ये नदियाँ प्रायः पश्चिमी तट पर होती हैं, लेकिन पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका सहित अन्य स्थानों में भी हो सकती हैं, जहाँ वे अक्सर कैरिबियन से नमी लाती हैं।
- वे पर्याप्त जल वाष्प के बराबर या कभी-कभी मिसिसिपी नदी के औसत प्रवाह से बहुत अधिक नमी उस बिंदु पर ले जाते हैं जहां यह मैक्सिको की खाड़ी में बहती है।
- जब यह नमी भूमि के संपर्क में आने लगती है, तो यह बारिश या बर्फ के रूप में संघनित हो जाती है।
- इस कारण प्रायः (जैसा कि हाल ही में कैलिफ़ोर्निया में हुआ है) वर्षा प्रचुर मात्रा में होती है क्योंकि ये प्रणाली नमी का निरंतर प्रवाह प्रदान करती हैं।

बीआईएस मानक

मानक: पथप्रदर्शक:
Bureau of Indian Standards

प्रसंग

हाल ही में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने अनिवार्य बीआईएस मानकों का उल्लंघन करने वाले खिलौनों की बिक्री के लिए ई-कॉमर्स संस्थाओं को नोटिस जारी की है।

मुख्य विशेषताएं:

- सीसीपीए ने मानकों के उल्लंघन में खिलौनों की बिक्री के लिए ई-कॉमर्स संस्थाओं, अमेज़ॅन, फ्लिपकार्ट और स्नैपडील को नोटिस जारी किया।
- सीसीपीए ने नोटिस जारी करने के 7 दिनों के भीतर ई-कॉमर्स संस्थाओं से जवाब मांगा है, ऐसा न करने पर उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- सीसीपीए ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों का उल्लंघन करने वाले नकली और नकली सामानों की बिक्री को रोकने के लिए देशव्यापी अभियान का विस्तार किया है।
- बीआईएस अधिनियम, 2016 की धारा 17 किसी भी व्यक्ति को ऐसे किसी भी सामान या वस्तु के निर्माण, आयात, वितरण, बिक्री, किराए पर लेने, पट्टे पर देने, स्टोर करने या बिक्री के लिए प्रदर्शित करने से प्रतिबंधित करती है जिसके लिए मानक चिह्न के अनिवार्य उपयोग के केंद्र सरकार निर्देश (क्यूसीओ) प्रकाशित किए गए हैं।

गोल्डन ग्लोब अवार्ड

प्रसंग

हाल ही में, एसएस राजामौली की फिल्म आरआरआर के गीत नाटू-नटू ने गोल्डन ग्लोब पुरस्कार जीता है।

मुख्य विशेषताएं:

- जनवरी 1944 से शुरू होने वाले हॉलीवुड फॉरेन प्रेस एसोसिएशन (एचएफपीए) द्वारा गोल्डन ग्लोब पुरस्कार दिए जाते हैं।
- यह अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय फिल्म और टेलीविजन दोनों में उत्कृष्टता को सम्मानित करता है।
- · मनोरंजन उद्योग के भीतर, गोल्डन ग्लोब्स को अकादमी पुरस्कार (फिल्म के लिए) और एमी पुरस्कार (टेलीविजन के लिए) दोनों के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare